दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 17 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 79

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

फ्रांस में आया 90 सालों का सबसे भीषण चक्रवात, मायोट में सैकड़ों लोगों की मौत

फ्रांस। फ्रांसीसी हिंद महासागर क्षेत्र मायोट में आए चक्रवात चिडो ने भयानक तबाही मचाई है। इसे देश में पिछले 90 सालों में आया सबसे भीषण चक्रवात बताया जा रहा है।यही कारण है कि इसके प्रभाव से अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। चक्रवात के कारण 225 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं और दर्जनों बस्तियां पूरी तरह तबाह हो गई।फ्रांस से आए बचाव दल सहित बचावकर्मी मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश में जुटे हैं। मायोट अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात चिडो के कारण शनिवार को कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और लगभग 250 अन्य घायल हो गए। हालांकि, पूरे क्षेत्र में मृतकों की संख्या सैकड़ों में हो सकती है।प्रीफेक्ट फ्रैंकोइस-जेवियर बियुविले ने कहा, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से यह संख्या सैकड़ों में होगी, शायद हम 1,000 या यहां तक कि कई हजार तक पहुंच सकते हैं। यह बहुत भयानक तूफान है। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात के कारण बुनियादी ढांचे को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचा है। बिजली की लाइनें टूट गई और सडक़ें क्षतिग्रस्त हो गई। इससे जनजीवन प्रभावित हो गया है।मायोट की 3.20 लाख की आबादी में से कुछ लोगों ने कहा है कि वे भोजन, पानी और आश्रय की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। लोगों को 3 दिनों से पानी तक नहीं मिला है और बुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर लिखा, हम मायोट की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, जो यूरोपीय संघ का सबसे गरीब क्षेत्र है, जहां लगभग 77 प्रतिशत लोग राष्ट्रीय गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं।बियुविले ने कहा, हमारा द्वीप 1934 के बाद से आए सबसे भयंकर और विनाशकारी चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित है। हममें से कई लोगों ने अपना सबकुछ खो दिया है। उनके लिए फिर खड़ा होना बड़ी चुनौती है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने ब्लूस्काई पर कहा, इस भयावह संकट में यूरोप मायोट के लोगों के साथ खड़ा है और यूरोपीय संघ आने वाले दिनों में सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।बता दें कि मायोट में रविवार को भी फोन और इंटरनेट नेटवर्क सेवा बाधित रही है।इस बीच फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलो सोमवार को मायोट का दौरा कर प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

आईईडी ब्लॉस्ट में ग्रामीण की मौत

दंतेवाड़ा-रायपुर (आरएनएस)। जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि यहां आईईडी ब्लॉस्ट में एक ग्रामीण की मौत हो गई है। नक्सलियों ने यह बम जंगल में छिपाया था, इसकी चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई है। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद जवान मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। बताया जा रहा है कि ब्लॉस्ट बारसूर थाना क्षेत्र के जंगल में हुआ है। यहां नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी बम लगाया गया था। वहीं लकड़ी बीनने जंगल गया ग्रामीण उस आईईडी बम की चपेट में आ गया और ब्लास्ट में उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद जवान मौके पर पहुंच गई है और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रियंका गांधी फिलिस्तीन लिखा बैग लेकर पहुंची संसद, सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसमें एक बार फिर उनका फिलिस्तीन प्रेम दिखाई दिया है। संसद के शीतकालीन के दौरान प्रियंका गांधी सोमवार को एक बैग लेकर पहुंचीं, जिसमें फिलिस्तीन लिखा हुआ है। इस बैग पर शांति का प्रतीक सफेद कबूतर और तरबूज भी बना है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने बैग के जरिए सीधा मैसेज दिया है कि वह फिलिस्तीन के सपोर्ट में खड़ी हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब प्रियंका गांधी ने फिलिस्तीन का समर्थन किया हो। इससे पहले वह फिलिस्तीन के पक्ष में कई बार आवाज उठा चुकी हैं। इतना ही नहीं प्रियंका गांधी ने भारत सरकार से फिलिस्तीन के साथ खड़े होने की वकालत भी की थी। अब प्रियंका गांधी के इस बैग को लेकर सियासी बवाल मच गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी यह फोटो वायरल हो रही है। इस पर सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग कमेंट कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में डेयरी और वन उपज विकास के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हुए हस्ताक्षर

❐ **छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है जहां कुदरत ने अपनी संपदा को भरपूर मात्रा में बांटा है-केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह**

रायपुर

छत्तीसगढ़ ने सहकारी विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल प्रदेश में डेयरी और वन उपज विकास को गति देने के साथ ही आदिवासी समुदाय और किसानों के उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच डेयरी क्षेत्र के विकास के लिए समझौता हुआ। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित और राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) के बीच एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है, जहां कुदरत ने अपनी संपदा को भरपूर मात्रा में बांटा है। यहां न तो पानी की कमी है, न भूमि की और न मेहनतकश लोगों की। आवश्यकता थी केवल एक अच्छी शुरुआत की। आज के इस कार्यक्रम में डेयरी और वन उपज के क्षेत्र में दो नई और सकारात्मक शुरुआत हुई हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया यह समझ चुकी है कि हमारे खानपान में रासायनिक तत्वों की बढ़ती मात्रा के कारण कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। ऑर्गेनिक खेती न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह पर्यावरण और भूमि की उर्वरता के लिए भी अनुकूल है।

उन्होंने गुजरात के अनुभव साझा करते हुए बताया कि वहां देसी गाय के गोबर से ऑर्गेनिक खाद बनाकर 21 एकड़ भूमि पर खेती सफलतापूर्वक की जा रही है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती के माध्यम से हम कृषि को लाभकारी बना सकते हैं और भूमि की उर्वरता को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

वन उपज के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि आज से जनजातीय समुदाय की वन उपज, जो पहले कौड़ियों के दाम पर बिक जाती थी, अब सर्टिफिकेशन और बेहतर मार्केटिंग के माध्यम से उचित मूल्य पर बेची जाएगी। इससे आदिवासी समुदाय को सशक्त करने और उनकी आय में वृद्धि करने में मदद मिलेगी। उन्होंने राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) की स्थापना को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इसके तहत देशभर में जैविक उत्पादों का परीक्षण और सर्टिफिकेशन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार और इन योजनाओं से जुड़े सभी अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कदम प्रदेश को विकास और समृद्धि की दिशा में ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 621 सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इस समझौते के माध्यम से आगामी तीन वर्षों में 3200 नई समितियों की स्थापना के साथ 3850 गांवों को जोड़ा जाएगा। साथ ही, 6 जिलों के 300 गांवों में मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन की स्थापना की जाएगी। दुग्ध संकलन, जो वर्तमान में प्रतिदिन 75,000 किलोलीटर है, अगले तीन वर्षों में 5 लाख किलोलीटर प्रतिदिन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, 220 बल्क मिल्क कूलर इकाइयों की स्थापना की जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में सहकारी समितियों से 16,324 पशुपालक जुड़े हुए हैं, जिन्हें निकट भविष्य में बढ़ाकर 1.5 लाख किया जाएगा। इन पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और मशीनों की सहायता से दूध की जांच और तत्काल भुगतान की सुविधा प्रदान की जाएगी। अनुसूचित वर्ग के लोगों को दो दुधारू गाय प्रदान करने की योजना से डेयरी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इन गांवों में बायोगैस और बायो फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना से किसानों की आय में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक अवसर के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का विशेष रूप से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता उनकी दूरदृष्टि और मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने एनडीडीबी और छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ के सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह साझेदारी प्रदेश को विकास और समृद्धि की दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनारा कुमारा दिसानायके पहुंचे राष्ट्रपति भवन, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

नईदिल्ली | आरएनएस

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनारा कुमारा दिसानायके अपने पहले विदेशी दौरे पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे हैं। यहां वे 17 दिसंबर तक रहेंगे।सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी अगवानी की। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।श्रीलंकाई राष्ट्रपति सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ व्यापक चर्चा करेंगे। रविवार को दिल्ली पहुंचते ही उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चर्चा की थी।

सोमवार को राष्ट्रपति दिसानायके और प्रधानमंत्री मोदी की बैठक में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और तमिल समुदाय से जुड़े मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।वे भारत और श्रीलंका के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में एक व्यापारिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और उनका बोधगया जाने का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है।बता दें कि 22 सितंबर को श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी नेता दिसानायके ने जीत दर्ज की थी।

जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता दिसानायके ने चुनाव में वामपंथी पार्टियों के गठबंधन नेशनल पीपल्स पावर को हराया था, जो भारत विरोधी माना जाता है।दिसानायके का चुनाव जीतने के बाद पहली विदेश यात्रा के तौर पर अपने पड़ोसी देश भारत आना उनकी पारंपरिक नीति को दर्शाता है, जिसका पालन पहले भी श्रीलंका के राष्ट्रपति करते आए हैं।यात्रा जेवीपी के चीन से करीबी रिश्ते और भारत विरोधी होने के दावे को भी ठंडा करने का प्रयास है।

संभल में 46 साल बाद खुले मंदिर के कुएं में की गई खुदाई, मिट्टी में दबी मिली माता पार्वती की खंडित मूर्ति

संभल | आरएनएस

उत्तर प्रदेश का संभल पिछले दिनों शाही मस्जिद में हुए सर्वे और उसके बाद हुई हिंसा के चलते सुर्खियों में रहा. अब संभल में ही एक मंदिर को 46 साल बाद खोला गया है. ये मंदिर खग्गू सराय में स्थिर है. जिसे करीब पांच दशक बाद खोला गया. इस हिंदू मंदिर में पहले महादेव की मूर्ति निकली.

उसके बाद मंदिर के प्रांगण में स्थित कुएं की खुदाई की गई. इसके बाद इस मंदिर से मां पार्वती की खंडित प्रतिमा बरामद की गई है. फिलहाल पुलिस ने इस प्रतिमा को अपने कब्जे में ले लिया है और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है. हालातों को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है.

बता दें कि संभल के दीपसराय से सटे खग्गू सराय में एक पुरानी शिव मंदिर करीब पांच दशक से बंद था. प्रशासन ने इस मंदिर को शनिवार को फिर से खुलवाया. मंदिर के खुलते ही वहां पुलिस प्रशासन और लोगों की भीड़ लग गई. उसके बाद मंदिर में पूजा-अर्चना भी शुरू कर दी गई. इसके बाद प्रशासन ने मंदिर के पास मौजूद एक कुएं की भी खुदाई करवाई. कुएं में जब 15 फीट खुदाई हुई तो उससे एक खंडित मूर्ति निकली.

जानकारी के मुताबिक, संभल में बिजली चोरी चेकिंग के दौरान ये प्राचीन मंदिर मिला. अब इस मंदिर से पुराने अवशेष मिलना शुरू हो गए हैं. सोमवार को मंदिर में मौजूद कुएं की खुदाई की गई. इस दौरान एक खंडित मूर्ति बरामद की गई. अब इस मूर्ति को प्रशासन को सौंप दिया गया है. जिसकी जांच की जा रही है.

बताया जा रहा है कि प्रशासन अब इस मंदिर की कार्बन डेटिंग कराएगा. इसके लिए जिला प्रशासन ने भस्म शंकर मंदिर, शिवलिंग और वहां मिले कुएं की कार्बन डेटिंग कराने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को एक पत्र लिखा है. इस जांच के जरिए प्रशासन इस बात की जानकारी प्राप्त करेगा कि ये मंदिर और इसकी मूर्ति कितनी पुरानी हैं.

मणिपुर को दहलाने की साजिश फिर से नाकाम, कांगपोकपी से सुरक्षा बलों ने जब्त किए गोला

इंफाल | आरएनएस

पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में पिछले डेढ़ साल से हिंसा का दौर जारी है. हालांकि हाल के दिनों में राज्य में हिंसा की घटनाओं कें कमी आई है. लेकिन इस बीच राज्य में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने की साजिश लगातार हो रही है. लेकिन राज्य में तैनात सुरक्षा कर्मी इन सभी साजिशों को आए दिन नाकाम कर रहे हैं. ऐसा एक मामला मणिपुर से एक बार फिर से सामने आया है. दरअसल, सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कांगपोकरी से भारी संख्या में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए हैं.

पुलिस के सोमवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कांगपोकपी जिले में तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया गया है. उन्होंने बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने रविवार को एल जंग्नोमफाई और फ्रीडम हिल में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए हैं.

सुरक्षा बलों के सर्च ऑपरेशन के दौरान इलाके से जब्त किए गए हथियार और गोला-बारूद में एक 7.62 मिमी सेल्फ-लोडिंग राइफल, एक 9 मिमी पिस्तौल, एक सिंगल बैरल बंदूक, एक डबल बैरल बंदूक, एक पोम्पी बंदूक, चार हैंड ग्रेनेड, चार स्टारडाइन विस्फोटक, चार इलेक्ट्रिक डेटोनेटर शामिल हैं. पुलिस ने एक बयान में कहा कि जब्त किए गए हथियार और गोला-बारूद को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कांगपोकपी जिला पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है.

बता दें कि ये कोई पहला मामला नहीं है जब हिंसा ग्रस्त मणिपुर से हथियारों का जखीरा बरामद किया गया हो. इससे पहले शनिवार को भी सुरक्षा बलों ने राज्य के बमडियार अवांग लेकाई से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर कोंथौजम जीवन मैतेई (43) को गिरफ्तारी किया था. गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा बलों ने उससे पूछताछ की.

उसकी निशानदेही पर सुरक्षा बलों ने आरोपी के ठिकाने से भाड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया था. इस दौरान सुरक्षा बलों ने एक एसएलआर राइफल, एक मैगजीन, दो .303 राइफल, एक पंप एक्शन गन (क्च/क्र) तीन स्लीपिंग बैग, केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के 40 बैज, दो हैंडसेट चार्जर, एक मोबाइल चार्जर, एक बीपी कवर, एक टोपी, एसएलआर की दो जिंदा कारतूस, .303 राइफल की दो जिंदा कारतूस, पंप एक्शन गन के 12 जिंदा कारतूस भी बरामद किए थे.

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को आपराधिक मानहानि का नोटिस जारी

नईदिल्ली | आरएनएस

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को आपराधिक मानहानि मामले में नोटिस जारी किया है। बांसुरी को 20 दिसंबर को कोर्ट में हाजिर होना होगा।बांसुरी के खिलाफ शिकायत आम आदमी पार्टी के नेता, पूर्व मंत्री और विधायक सत्येंद्र जैन की ओर से दायर की गई है, जिसके बाद यह नोटिस जारी हुआ है।कोर्ट 20 दिसंबर को जैन और उनके 2 गवाहों के बयान दर्ज करेगी।

जैन ने आरोप लगाया है कि बांसुरी ने 5 अक्टूबर, 2023 को एक टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।आरोप है कि बांसुरी ने चैनल पर दावा किया था कि जैन के घर प्रवर्तन निदेशालय के छापे के दौरान 3 करोड़ रुपये, 1.8 किलो सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद हुए थे।जैन का आरोप है कि बांसुरी ने राजनीतिक फायदा उठाने के लिए उन्हें बदनाम किया था।

बांसुरी को 5 दिन पहले भी रोहिणी जिला कोर्ट की ओर से सिविल मानहानि का नोटिस भेजा गया था। यह नोटिस भी जैन द्वारा समान आरोप पर कोर्ट ने भेजा था।बता दें कि बांसुरी स्वराज पूर्व विदेश मंत्री और भाजपा की कद्दावर नेता सुषमा स्वराज की बेटी हैं। बांसुरी स्वराज 15 साल से वकालत कर रही हैं।लोकसभा चुनाव 2024 में बांसुरी ने पहली बार भाजपा के टिकट से नई दिल्ली से चुनाव लड़ा और जीती थीं।

जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, नक्सलवाद का करेंगे खात्मा - केंद्रीय गृह मंत्री शाह

❐ **शहीदों के परिजनों की समस्या सुनने की पहल सराहनीय**

❐ **शहीदों के बलिदान को चिर स्थाई बनाने उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी-मुख्यमंत्री**

रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बस्तर प्रवास के दूसरे दिन आज अमर वाटिका में नक्सली हमले में शहीद जवानों और नक्सली हिंसा से पीड़ित नागरिकों के परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिजनों से चर्चा करते हुए कहा कि एक लम्बी और वेदनापूर्ण लड़ाई में आपने अपने परिजनों को खोया है, इस दर्द को कम नहीं किया जा सकता है। केंद्र और राज्य सरकार आपके साथ है। शहीदों के त्याग और बलिदान को चिर स्थाई बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार उनकी पुण्य स्मृतियों को सहेजने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि आप सभी ने जैसे अपने परिजनों को खोया है, वैसे किसी और को खोना न पड़े। मैं नक्सली हमलों में शहीद हुए जवानों और जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मां दंतेश्वरी की धरती से नक्सलवाद को पूर्णतः समाप्त कर देंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि भारत सरकार की सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस के जवान मजबूती के साथ नक्सल मोर्चे पर काम कर रहे हैं। पिछले एक साल की सटीक रणनीति से नक्सलवाद का दायरा सिमटा है और ढेर सारे विकास के कार्यों को गति देने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन अभियान को केंद्र सरकार का पूरा समर्थन और सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सल उन्मूलन के लिये सरकार तीनों मोर्चों पर काम कर रही है। माओवादी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर आत्म सर्मपण करने वालों का स्वागत किया जा रहा है। नक्सल अभियान के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी किया जा रहा है और जो दूसरे की जान लेने पर आमादा हैं, उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शहीदों के परिजनों की समस्या सुनने के लिए पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में सप्ताह में एक दिन नियत किया गया है। उन्होंने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आईजी कार्यालय में कलेक्टर भी मौजूद रहें और इस मुहिम का हिस्सा बने। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि अपनों को खोने का दर्द कोई कम नहीं कर सकता किंतु हम कुछ ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जिससे आपकी पीड़ा को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आपके परिजनों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार साथ मिलकर आपके हितों का ध्यान रखेगी। आप सभी के लिए जो बेहतर होगा वह कार्य करने के लिए हम सभी दृढ़संकल्पित हैं। उन्होंने परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि हर बार जब हमारे जवानों को नक्सल मोर्चे पर सफलता मिली है केंद्रीय गृह मंत्री जी ने उनकी हिम्मत बढ़ाई है और उनकी पीठ हमेशा थपथपाई है। आज भी वे आपकी हौसला अफजाई के लिए आये हैं और आपके साहस और संकल्प के लिए आपके अभिनंदन के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार शहीद जवानों की स्मृतियों को सहेजने के लिए उनके गांवों में प्रतिमा की स्थापना करेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर में शांति व उन्नति के लिए शहीद हुए जवानों और नक्सली हिंसा में पीड़ित परिवार के परिजनों से हम लोग मिलना चाह रहे थे। आप सभी हमारे परिवार का हिस्सा हैं और अपनों को खोने का यह दुःख हम सभी को समान पीड़ा दे रहा है।

इस अवसर पर शहीद जवानों के परिजन और नक्सली हिंसा से पीड़ित नागरिकों के परिजन उपस्थित थे।